International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 2, February - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

संगीत के क्षेत्र में रोजगार की सम्भावनाएं

महिन्द्र कौर
शोधार्थी, संगीत विभाग,
महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय,
रोहतक

प्राचीन समय से आज तक संगीत हमारे आध्यात्मिक और भावनात्मक जीवन का अनिवार्य अंग रहा है। हमारी कलात्मक अनुभूतियों को भी इस कला से बहुत प्रोत्साहन मिला है। संगीत मानवीय अभिव्यक्ति का स"ाक्त माध्यम रहा है। संगीत एक ऐसी कला है जो जीवन में समायोजन तथा आत्मिक सुखानुभूति का साधन बनती हैं। आज के भौतिकवाद युग में मन की शांति और सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए संगीत को ि"ाक्षा का अभिन्न अंग बनाना अति आव"यक हो गया है।

किसी भी क्षेत्र की सफलता का आंकलन उससे सम्बन्धित रोजगार के अवसर से किया जाता है। आज के युग में मानव का एकमात्र लक्ष्य धन अर्जित कर अपनी गृहस्थी को सुचारू रूप से चलाना परम आव"यक हो गया है। इसलिए विभिन्न कलाओं और विषयों को जब तक आजीविका उर्पाजन से नही जोड़ा जाता तब तक वे महत्वहीन मानी जाती हैं संगीत जैसे रोचक विषय में रोजगार की आपार संभावनाएं मौजूद है। जो लोग इस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते है, तो उनके लिए संगीत की पूरी जानकारी होना आव"यक है। संगीत के कई प्रकार होते है, जैसे शास्त्रीय संगीत, पॉप संगीत, फ्यूजन आदि में भी कैरियर बना सकते है इस क्षेत्र में आप संगीत अध्यापक, संगीत निर्माता, लेखक, गीतकार, डिस्क जाकी, वीडियों जॉकी, संगीत चिकित्सक, रिकार्डिग टेक्नी"ायन, वाद्यों में निर्माता, आदि के रूप में भी उचित रोजगार प्राप्त कर सकते है।

वि"ोष तौर पर कुछ प्रमुख क्षेत्र जहां रोजगार के अवसर मौजूद है दूरद"ान, निजी एफएम चैनल स्टे"ान, म्यूजिक चैनल, सांस्कृतिक ओर जन सर्म्पक के सरकारी विभाग, प्रोडक"ान हाउस, प्रोमो"ानल कम्पनीज, संगीत शोध संस्थान, आदि में भी रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।[1]

संगीत अध्यापक के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने हेतु संगीत की औपचारिक ि"ाक्षा प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। बे"ाक यह धरानेदार ि"ाक्षा न हो परन्तु अनिवार्य ि"ाक्षा आव"यक है और इसके साथ साथ संगीत उद्योग से जुड़ी हुई कोई अन्य योग्यता हो तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी।

[1] इन्टरनैट द्वारा प्राप्त जानकारी

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 2, February - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

संगीत के क्षेत्र में गायन, वादन तथा नृत्य तीनों में उज्जवल भविष्य बनाया जा सकता है। परंतु संगीत में भविष्य बनाने के लिए पाठ्यक्रम से अधिक महत्वपूर्ण प्र"िक्षण तथा अभ्यास होता है। जितना गहरा अभ्यास होगा, आप उतने ही अधिक प्र"िक्षित माने जाएगा। धराना परम्परा या गुरू ि"ाष्य परम्परा में दक्ष लोगों के लिए भी इस क्षेत्र में बहुतेरी सम्भावनाएं है। आप संगीत सिखाने वाले संस्थानों से कोर्स पूरा कर डिग्री ले सकते है। बेचलर्स डिग्री में कुछ संस्थान बी.ए. म्यूजिक तो कुछ बी. ए. म्यूजिक आर्नस की डिग्री देते है, यही भी बी. ए. म्यूजिक के बराबर होती है।

बी.ए की डिग्री प्राप्त करने के प"चात आप किसी स्कूल अथवा ि"ाक्षण संस्थान में (संगीत अध्यापक) की नौकरी प्राप्त कर सकते है। एम. ए म्यूजिक की उपाधि प्राप्त करने के प"चात आप कॉलेज स्तर की कक्षाओं में संगीत ि"ाक्षक के योग्य बन जांएगे। भारतीय संगीत ही नही, पा"चात्य संगीत का प्र"िक्षण देने वाले भी इस दे"ा में अनेक स्कूल है। लगभग चालीस वि"वविद्यालय हमारे यहां ऐसे है जहां संगीत की औपचारिक ि"ाक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त संगीत का ि"ाक्षण प्राप्त कर आप परफार्मिंग आर्टिस्ट भी बन सकते है।[2]

वर्तमान समय में म्यूजिक इण्डस्ट्री का इतना विकास हो चुका है कि वह इसमें कई प्रकार के रोजगार सृजित कर रही है जेसे फिल्मों, टी.वी. धारावाहिकों, डाक्यूमैंट्री फिल्मों में संगीत दे सकते है या उनमें कम से कम गायन तो कर सकते है। संगीत की औपचारिक ि"ाक्षा के साथ साथ कोई अन्य योग्यता भी हो तो, वह मयूजिक इण्डस्ट्री से जुड़े दूसरे कार्य करके भी रोजगार पा सकता है।

सांउड इंजीनियरिंग, साउड रिकोर्डिग या इलैक्ट्रानिक्स साउड ब्राचेज में इंजीनियरिग की उपाधि होना आव"यक है। इसके लिए आप सांउड रिकोर्डिग में बी.ए. और एम. ए की डिग्री प्राप्त कर सकते है। सांउड इंजीनियरिंग से सम्बन्धित ट्रेनिग पुने, कोलकाता तक मुम्बई के कुछ संस्थान देते हे। अगर आप रेडियों जॉकी का कोर्स कर लेते है। तो आप रेडियों जॉकी भी बन सकते हैं रेडियों जॉकी का कोर्स करवाने वाले तीन प्र"िक्षण संस्थान नई दिल्ली में है।

हालांकि संगीत में कैरयिर का आद"ार्ा रूप संगीत ि"ाक्षण ही माना जाता हैं क्योंकि यह एक ऐसा हुनर है जितना सीखा सिखाया जाए, उतना ही निखरता है। यूं तो म्यूजिक के क्षेत्र मास कम्यूनिके"ान

[2] संगीत मैनुअल, डा० मृत्यजंय शर्मा, पृ० 68–70

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 2, February - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

था बिजनेस एडमिनिस्ट्रे"ान की डिग्री भी काम आ सकती है। पर यह तब, जब कोई व्यक्ति प्रोडक"ान, विज्ञापन, पब्लिके"ान रिले"ान, कल्चरल अथवा जर्नलिज्म जैसे कार्य क्षेत्रों में जाना और कोई ऊंचाई पाना चाहते है। ि"ाक्षा मनोविज्ञान का बैकग्राउडं भी आपकों म्यूजिक इण्डस्ट्री में काम व रोजगार दिला सकता है। आप म्यूजिक थैरेपिस्ट तथा म्यूजिक साईक्लोजिस्ट भी बन सकते है। परन्तु ध्यान रहे कि इसके लिए किसी वि"ोष पाठ्यक्रम के ि"ाक्षण प्रं"िाक्षण की व्यवस्था नही है।[3]

अंततः संगीत एक कला है। अतः इसे सीखने के लिए कला और संगोत में स्वाभाविक रूचि होनी चाहिए कुछ लोगों में यह कला ई"वर द्वारा ही प्रदान की जाती है जो इस क्षेत्र में जल्द ही अपनी पहचान बना लेते है। परंतु वास्तव में इस क्षेत्र में उन्ही लोगों को आना चाहिए जिनकी संगीत में रूचि इस हद तक हो कि वे विभिन्न प्रकार का संगीत सुनकर उनमें अंतर करना भी जानते हो ना कि स्टेट्स और पैसा कमाने के लिए, संगीत पूजा है। जितना करोगे उतनी फलदायी होगी।

[3] संगीत मासिक पत्रिका, संगीत कार्यालय हाथरस मार्च, अंक 202(पृ० 20–23)